स्पिड संदेश

जुलाई – सितम्बर 2017 संस्करण–4 स्पिड सोसाइटी द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका

ग्लोबल एक्सचेंज प्रोग्राम

वइटल वाएसेज के द्वारा प्रायोजित ग्लोबल फ्रीडम एक्चेंज प्रोग्राम जो कि 19 देशों की महिला अग्रणी जो कि बच्चों की तस्करी एवं शोशण के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं तथा उनके कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। ललिता एस0ए0 जो कि स्पिड की उपाध्यक्षा तथा स्पिड एस0एम0एस0 सेण्टर के द्वारा लगभग 30 वर्शो से जरूरत मंद बच्चों के लिए कार्य कर रही हैं ललिता जी पूरे भारत से एक ऐसी महिला थीं जो कि भारत की तरफ से प्रतिनिधित्व कर रही थी। जिसमें की इन्होने यू0एस0ए0 के तीन राज्यो का भ्रमण किया जिसमें टेक्साज, वाशिंगटन डी0सी0, शिकागो जिसमें सभी देशो की प्रतिपिधियों ने अपने देश की मानव तस्करी की स्थिती के बारे में बयान किया तथा इस तरह के कार्य कां देश से हटाने को लेकर चर्चा हुई।

घरेलू कामगारों के लिए अलग से कानून व बोर्ड बनाये जाने हेतु छात्र–छात्राओं के साथ संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

पिछले कई सालों से घरेलू कामगारों के लिए सामाजिक अधिकार व सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे को लेकर एक अलग से कानून बनाये जाने की मांग सरकार से किया जा रहा है वर्तमान समय में इसको लेकर आगरा शहर में हस्ताक्षर अभियान, सामुदायिक संवेदीकरण बैठक अभियान, सम्पादक के नाम पत्र अभियान आदि विभिन्न प्रकार के अभियान चलाये गये। इन्ही अभियान के अर्न्तगत आगरा शहर में श्री जगदम्बा डिग्री कालेज व राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में छात्र–छात्राओं के साथ घरेलू कामगारों के मुद्दों को लंकर संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को बताया गया कि आगरा शहर में लगभग 1 लाख 75 हजार घरेलू कामगार महिलायें हैं, जो प्रतिदिन दूसरों के घरों में झाड़ू–पोछा, चौका वर्तन, वृद्धों की देख–भाल, बच्चों कर देख–रेख के लिए जाती हैं। जिसके बदले में महज 2500रू0 से 3000रू0 प्रतिमाह पाती हैं। ये महिलाएं 8–9 घंटे काम करती है। रविवार के इनकी दिन छुट्टियां नही होती हैं। इनके साथ दुर्घटना होने पर किसी प्रकार का भी पेंशन या बीमा की व्यवस्था मालिक या सरकार द्वारा नही है। महिलाएं तो अन्य लोगों की तरह हाड़–तोड़ मेहनत करती हैं लेकिन इनके काम को कोई महत्व नही दिया जाता है। क्या ऐसे लोगों को सामाजिक अधिकार व सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए या नही?

इस मुद्दे को लेकर छात्र–छात्राओं ने अपने विचार दिए। छात्र प्रमोद कुमार ने कहा कि "सामान कार्य के बदले सामान वेतन होना चाहिए। फिर ऐसे महिलाओं के प्रति भेद–भाव क्यों है?इनके साथ लिंग विभेदता क्यों है?सामाज में ऐसी महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखा जाना चाहिए साथ–साथ इनके लिए भी कानून होना चाहिए, जिसके तहत इन्हें समस्त सुविधाएं मिलनी चाहिए।"

विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त 2017)–

देश की राजधानी दिल्ली मे अरमान संस्था द्वारा चलाये जा रहे एममित्रा कार्यक्रम के अर्न्तगत गर्भवती व धात्री महिलाओं तथा उनके नवजात शिशु(1 वर्श तक) को मुॅफ्त कॉल के जरिए स्वास्थ्य, आहार,टीकाकरण, बच्चो की देखभाल, बीमारियों के लक्षण इत्यादि के बारे में समय –समय पर पंजिकृत महिलाओं को उनके समयानुसार जानकारी दी जाती है । स्पिड सोसाइटी जो कि अरमान के साथ पिछले 2 साल से दिल्ली के दक्षिण और पश्चिम जिले में विभिन्न क्षेत्रो में काम कर रही है, इसके अलावा संस्था संजय गाँधी अस्पताल, गुरू गोविन्द तथा दादा देव मातृ एवं शिशु अस्पताल में भी पंजिकरण का काम कर रही है। इसी के अर्न्तगत अगस्त मॉह में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्पिड सोसाइटी द्वारा समुदाय और अस्पताल में इसे जागरूकता कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। इसके अर्न्तगत संजय गाँधी और दादा देव अस्पताल में धात्री महिलाओं के साथ तथा नांगलोई क्षेत्र, समुदाय में ऑगनवाड़ी केन्द्र पर मनाया गया, इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सखीयों, अस्पताल सुपरवाइजर के द्वारा स्तनपानके बारे में बताया गया जैसे – इस साल के विश्व स्तनपान सप्ताह का विषय था–स्तनपान को एक साथ बनाए रखना

- जन्म के तुरंत बाद बच्चे को माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध अवश्य पिलाना चाहिए।
- छः महिने तक बच्चे को केवल माँ का दूध ही पिलाना चाहिए।
- स्तनपान से बच्चे का शारिरीक व मानसिक विकास तीव्र गति से होता है।
- स्तनपान से स्तन कैंसर का खतरा कम होता है।
- माँ का दूध बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

Design and Layout by:Santosh 9990900895 |

अरमान संस्था के सहयोग से स्पिड सोसाइटी पिछले 1 साल से दिल्ली के विभिन्न समुदाय और अस्पतालों में काम कर रही है इस वर्श जूलाई माह में स्पिड सोसाइटी देश की सांस्कृतिक राजधानी कही जाने वाले शहर वाराणसी में भी गर्भवती और धात्री महिलाओं को मुॅफ्त काल के माध्यम से महिलाओं को जानकारी दी जाती है। एम मित्रा का कार्यक्रम वाराणसी मे पिछले तीन माह से चल रहा है जिसके अर्न्तगत अब तक 1370 महिलाओं को इस सुविधा के लिए पंजिकृत किया जा चुका है, इस कार्यक्रम के अर्न्तगत संस्था के माध्यम से सखी को नियुक्त किया गया है जो की इन महिलाओं का नामांकन करती है। नामांकन का कार्य शिवपुर, लल्लापुरा, लोहता, पहडिया, तथा पाण्डेयपुर क्षेत्र मे चल रहा है। वाराणसी के अन्य क्षेत्रो मे फार्म के नामांकन के लिये योजना बनाया जा रहा है। इस दौरान वाराणसी के अलग–अलग शहरी क्षेत्रो से सखीओ को जोडने का प्रयास किया जा रहा है।

आस्ट्रेलिया टीम का शैक्षणिक भ्रमण

थ्दनांक 28, 29 सितम्बर 2017 को सेण्ट ऐडमण्ड्स कालेज आस्ट्रेलिया से 15 छात्रों का एक समूह जो कि भारत के विभिन्न बाल देखभाल संस्थान का भ्रमण करने आये थे इसी के अर्न्तगत 28 सितम्बर 2017 को स्पिड एस0एम0एस0 सेण्टर में उन्होने भ्रमण किया इस दौरान उन्हें संस्था के विभिन्न कार्यक्रमो के बारे में संस्था निदेशक श्री अवधेश यादव जी के द्वारा उन्हें जानकारी दी गई। इसके अलावा 29 सितम्बर 2017 को आस्ट्रेलिया से एक प्रोफेसर का समूह सेण्टर भ्रमण किया तथा उन्होने कुछ समय बच्चों के साथ भी बिताया।

स्वतन्त्रता दिवस –

स्वतन्त्रता दिवस भारत का एक राश्ट्रीय पर्व है।प्रत्येक भारतीय को हमारे राश्ट्रीय ध्वज पर गर्व है, स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर स्पिड–एस0एम0एस0 सेन्टर के बच्चों द्वारा प्रतिवर्श की भाँती इस बार भी 15 अगस्त को ध्वजारोहण तथा राश्ट्रगान के साथ स्वतन्त्रता दिवस सेन्टर में मनाया गया। इस शुभ अवसर पर संस्था के मित्र श्री डी0के0 सिंह तथा संस्था निदेशक श्री अवधेश यादव जी भी उपस्थित रहे। बच्चों को मिठाई बाँटी गई। विशेश भोजन का प्रबन्ध बच्चों के लिए किया गया।इसके अलावा स्पिड स्मार्ट नांगलोई व उत्तम नगर सेण्टर पर स्वन्त्रता दिवस मनाया गया। जिसमें वोकेशनल ट्रेनिंग के सभी छात्राों ने बढ़–चढ़ कर भागीदारी निभाई। छात्रों ने अपने स्वतन्त्रा के लिए अपने प्राणो की आहुति देने वाले वीर शहीदों को याद करते हुए अपने–अपने विचार को प्रकट किये, तो कुछ छात्राओं ने अपने विचारो को गीत, कविता और स्लोगन के रूप में प्रकट किया जिसके बाद सस्था के सभी कार्यकर्ताओं ने भी अपने– अपने विचार रखते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

जागरूकता रैली व नुक्कड़ नाटक –

स्पिड स्मार्ट नांगलोई सेण्टर द्वारा 26 जूलाई 2017 को वोकेशनल ट्रेनिंग कोर्स के लिए एक जागरूकता रैली की गई। जिसमें नांगलोई व उत्तम नगर सेण्टर के सदस्य उपस्थित रहें। रैली को सफल बनाने में स्पिड स्माार्ट नांगलोई के छात्राओं ने अहम भूमिका निभाई, रैली नांगलोई सेण्टर से लगभग 1 से 2 किलोमिटर के क्षेत्र में (ज्वालापूरी) व (एच0एम0बी0 झुग्गीयों) में निकाली गई। वोकेशनल ट्रेन्रिग कोर्स को अधिक जागरूक करने के लिए 27 व 28 सितम्बर 2017 को पाँच क्षेत्र (नांगलोई, निहाल विहार,ज्वालापुरी, भीम नगर, नांगनोई जे0जे0 कालोनी) में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कोर्स और संस्था के बारे में जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक में नांगलोई स्पिड स्मार्ट के सदस्य व कुछ छात्र उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

Design and Layout by:Santosh 9990900895 | Email-ombalesh@gmail.com

एम मित्रा कार्यक्रम के अर्न्तगत एच0आई0वी0/एड्स से ग्रसित गर्भवती और धात्री महिलाओं के विषय को लेकर प्रषिक्षण कार्यक्रम का आयोजन-

इसी कार्यक्रम के अर्न्तगत अरमान संस्था द्वारा एच0आई0वी0/एड्स से ग्रसित गर्भवती और धात्री महिलाओं की पंजिकरण, उन्हे इसके बारे में जानकारी देना जैसे काम किये जा रहे है अरमान संस्था द्वारा पुणे में इस कार्यक्रम को शुरू करने के बाद कार्यक्रम को स्पिड संस्था के साथ दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में काम करने को लेकर दिनांक 31 अगस्त 2017 को स्पिड, उत्तम नगर आफिस में अरमान संस्था के दिल्ली आफिस से मिस0 फरहना यासमीन जी, मुम्बई से मिस0 शर्मीला जी और उज्जवला जी के साथ स्पिड के साथ काम कर रही समुदाय से सखी, अस्पताल से सुपरवाइजर और आर0टी0पी टीम के साथीयों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। अरमान से हुईं मिस. शर्मीला और उनके साथी ने एच0आई0वी0/एड्स के बारे में पूरी जानकारी दी –

1.एच0आई0वी0/एड्स क्या है ? 2.इनके फैलने के कारण। 3.बचाव के तरीके। 4. आ0ई0सी0टी0/ए0आर0टी0/पी0पी0सी0टी0 आदि।

साथ ही एममित्रा के अर्न्तगत एच0आई0वी0/एड्स से ग्रसित उन महिलाओं के बारे में भी बताया गया जिन्हें इस कार्यक्रम के अर्न्तगत पंजिकृत किया जाना है।

आर0टी0पी0दिल्ली –

स्पिड सोसाइटी की तरफ से चलाए जा रहे आर0टी0पी0 कार्यक्रम के अर्न्तगत एच0आई0वी0/एड्स के विशय में पूरे दिल्ली में विभिन्न उच्च जोखिम वाले क्षेत्रो की पहचान कर उसमें समुदाय की सहायता से एच0आई0वी/एड्स के लिए जाँच शिविर लगाया जाता है, और इस दौरान उनकी एच0आई0वी0 जॉच के साथ–साथ समुदाय को जागरूक किया जाता है और जॉच कराने वाले लाभार्थी को पूर्ण परामर्श दिया जाता है। स्पिड सोसाइटी ने इस दौरान समुदाय के साथ–साथ सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ भी मिलकर एच0आई0वी0 प्रभावित व्यक्तियों की समस्याओं को जानने का हर प्रयास किया जाता है।स्पिड सोसाइटी ने विभिन्न उच्च जोखिम वाले समुदायों ने जूलाई 2017 से सितम्बर 2017 के दौरान दिल्ली में लगभग 5776 लोगो की एच0आई0वी0 की जॉच शिविर में की गई है जिसमें 34 लोग एच0आई0वी0 से प्रभावित मिले उनमें से 24 लोगो को ए0आर0टी0 से दवा शुरू करा दी गई है।

रोजगार मेला

22 सितम्बर 2017 को टैक महिन्द्रा फाउण्डेशन द्वारा जी0टी0बी0 नगर में स्थित स्मार्ट टेक महिन्द्रा फॉर हेल्थ केयर अकेडमी में रोजगार मेला लगाया गया। जिसमें लगभग 20कम्पनियों के नियोक्ता उपस्थित हुए। जिसमें स्पिड स्मार्ट सेण्टर के छात्रो को ले जाया गया और सभी छात्रो ने वहाँ अधिक से अधिक कम्पनियो में साक्षात्कार दिया और छात्रो को रोजगार भी मिला जो कि अब नौकरी कर रहे है।

Design and Layout by:Santosh 9990900895

सम्पादकीय –

स्वास्थ्य जाँच –

स्पिड–एस0एम0एस0 सेन्टर स्वास्थ्य, शिक्षा के द्वारा जनसाधारण को बहुत समय से यह समझाने का प्रयास करती आ रही है कि उसके लिए क्या स्वास्थ्यप्रद है, और क्या हानिप्रद है, तथा इनसे साधारण तरीके से बचाव कैसे किया जा सकता है। इसी के अन्तर्गतस्पिड–एस0एम0एस0 सेन्टर में रहने वाले सभी बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण में सभी प्रकार की जाँच एवं ब्लड ग्रुप की जानकारी डॉक्टर द्वारा ली गई। तथा दिनांक 25 जुलाई 2017 को सागर ट्रस्ट के सहयोग से सेन्टर में निःशुल्क आँखों की जाँच के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों एवं स्थानीय समुदाय के लोगो सहित कुल 71 लाभार्थियों ने इस मौके का लाभ लिया। तथा आवश्यकता के अनुसार दवाएं एवं 44 लाभार्थी को चश्में वितरित किया गया।

.बाल कल्याण समिति –

स्पिड–एस0एम0एस0 सेन्टर लगभग ढाई दशको से बच्चों के लिए विभिन्न कार्य कर रहा है। स्पिड–एस0एम0एस0 सेन्टर जो कि बच्चों का सेन्टर है जुवनाइल जस्टिस अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत हुआ है। कानून के मुताबिक जो बच्चे 24 घण्टे के लिए सेन्टर की देखरेख में रहते है, उनके लिए बाल कल्याण समिति की सहमति होना जरूरी है। अगस्त और सितम्बर माह में बाल कल्याण समिति ने फिलहाल 36 बच्चों जो की 6 से 18 वर्श की उम्र तक है और उसमें लड़के और लड़कियाँ दोनो शामिल है उनके लिए सहमति दी है। सेन्टर में 6 वर्श से छोटे बच्चों के लिए बाल कल्याण समिति के सदस्यों के सेन्टर निरिक्षण होनेपर सहमति मिलने की आशा है।

मनोवैज्ञानिक परामर्ष–

बच्चों से खुलकर बात करने हेतु नव्या तथा पूनम मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत एवं समूह परामर्शके तरीको से बच्चों से बात की। उनकी कुंठाओं और समस्याओं का समाधान निकाले जाने हेतु तथा बच्चों के हित के लिए स्पिड के बच्चों को अपनी सेवाएं प्रदान

स्वयंसेवको और प्रषिक्षु का आगमन–

स्पिड हमेशा से ही स्वयंसेवको एवं प्रशिक्षु का स्वागत करता रहा है इसी के अर्न्तगत 4 महिला प्रशिक्षु जो कि महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय वाराणसी के समाजिक कार्य विभाग के छात्रा थीं, उन्होने अगस्त माह में एक सप्ताह के लिए स्पिड–एस0एम0एस0 सेन्टर के बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया एवं विभिन्न मुद्दो पर बातचीत की इसके अलावा उन प्रशिक्षुओं ने स्पिड संस्था के अर्न्तगत चल रहे विभिन्न कार्यक्रमो के बारे में भी उन्होने कार्य करना सिखा।जुलाई से सितम्बर माह में स्पिड –एस0एम0एस0 सेन्टर में भी विभिन्न स्वयंसेवको ने बच्चों के साथ अपने हुनर तथा कला कौशलता को बच्चों के बीच में बाँटा और उन्हें सिखा रहे है। हफ्ते में एक बार कम्प्यूटर विशेशज्ञ द्वारा बच्चों की कम्प्यूटर कक्षा, हर शुक्रवार को विभिन्न स्वयंसेवको द्वारा बच्चों के लिए कला और शिल्प की शिक्षा दी जा रही है,तथा हफ्ते में एक बार बच्चों को ओडीसी नृत्य की शिक्षा भी दी जा रही हैं।

Design and Layout by:Santosh 9990900895 | Email-ombalesh@gmail.com